दैनिक स्वतंत्र चेतना

LUCKNOW	
27 APRIL 2018	PAGE – 05
CIRCULATION – 65,000	

उत्तर भारत में डायरेक्ट सेलिंग सेल्स में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा

लखनऊ। डायरेक्ट सेलिंग सेल्स में उत्तर प्रदेश सबसे बड़े राज्य के तौर पर उभरकर सामने आया है। राज्य में देशभर के मुकाबले डायरेक्ट सेलिंग की हिस्सेदारी 736 प्रतिशत रही, जो उसे महाराष्ट्र (13 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (9.10 प्रतिशत), तमिल नाडु (883 प्रतिशत) और कर्नाटक (781 प्रतिशत) जैसे मार्केट लीडर्स के बराबर पर लाकर खड़ा कर रहे हैं। यह खुलासा हुआ है इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन के सालाना सर्वेक्षण 2016-17 में।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष ड. राजीव कुमार ने हाल ही में ईबीजी पोजिशन पेपर और आईडीएसए के सालाना सर्वे रिपोर्ट को संयुक्त रूप से जारी किया। इस दौरान यूरोपीय संघ के राजदूत तोमास्ज कोजलोस्की भी मौजूद थे। उनके अलावा कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, विशेषज्ञ और कंपनियों के कर्ता-धर्ता भी समारोह में मौजूद थे। दोनों ही पेपर कंड्युसिव बिजनेस क्लाइमेट के लिए नीतिगत सुधारों की सिफारिश कर रहे हैं।

इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) ने केंटर आईएमआरबी के साथ भागीदारी की और विस्तृत सालाना रिपोर्ट निकाली, जो बताती है कि डायरेक्ट सेलिंग प्रोडक्ट्स की बिक्री ई-कमर्स वेबसाइट्स पर होने से एक बड़ी गंभीर चुनौती पैदा हो गई है। सरकार को रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाना चाहिए, जिससे ई-कमर्स वेबसाइट्स को डायरेक्ट सेलिंग गुड्स को डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों की सहमति के बिना बेचने से रोका जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर भारत में, 'उत्तर प्रदेश की डायरेक्ट सेलिंग सेल्स में हिस्सेदारी 28 प्रतिशत रही, जिसके बाद 236 प्रतिशत के साथ दिल्ली का नंबर आता है। पंजाब की डायरेक्ट सेलिंग प्रोडक्ट्स की सेल्स में हिस्सेदारी 156 प्रतिशत रही।